
Shri Sarasvati Ashtakam

श्रीसरस्वत्यष्टकम्

Document Information

Text title : sarasvatyaShTakam 2

File name : sarasvatyaShTakam2.itx

Category : aShTaka, devii, sarasvatI, devI

Location : doc_devii

Transliterated by : PSA Easwaran

Proofread by : PSA Easwaran

Description-comments : Devi book stall, Kodumgallur, Kerala

Source : Sthothra Rathnaakaram, edited by N. Bappuravu, 2010

Latest update : August 6, 2016

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

July 8, 2023


sanskritdocuments.org


श्रीसरस्वत्यष्टकम्



अमला विश्ववन्द्या सा कमलाकरमालिनी ।
विमलाभ्रनिभा वोऽव्यात्कमला या सरस्वती ॥ १ ॥
वार्षसंस्थाङ्गरूपा या स्वर्णरत्नविभूषिता ।
निर्णया भारति श्वेतवर्णा वोऽव्यात्सरस्वती ॥ २ ॥
वरदाभयरुद्राक्षवरपुस्तकधारिणी ।
सरसा सा सरोजस्था सारा वोऽव्यात्सरास्वती ॥ ३ ॥
सुन्दरी सुमुखी पद्ममन्दिरा मधुरा च सा ।
कुन्दभासा सदा वोऽव्याद्वन्दिता या सरस्वती ॥ ४ ॥
रुद्राक्षलिपिता कुम्भमुद्राधृतकराम्बुजा ।
भद्रार्थदायिनी साव्याद्भद्राब्जाक्षी सरस्वती ॥ ५ ॥
रक्तकौशेयरत्नाढ्या व्यक्तभाषणभूषणा ।
भक्तहृत्पद्मसंस्था सा शक्ता वोऽव्यात्सरस्वती ॥ ६ ॥
चतुर्मुखस्य जाया या चतुर्वेदस्वरूपिणी ।
चतुर्भुजा च सा वोऽव्याच्चतुर्वर्गा सरस्वती ॥ ७ ॥
सर्वलोकप्रपूज्या या पर्वचन्द्रनिभानना ।
सर्वजिह्वाग्रसंस्था सा सदा वोऽव्यात्सरस्वती ॥ ८ ॥
सरस्वत्यष्टकं नित्यं सकृत्प्रातर्जपेन्नरः ।
अज्ञैर्विमुच्यते सोऽयं प्राज्ञैरिष्टश्च लभ्यते ॥ ९ ॥
इति श्रीसरस्वत्यष्टकं समाप्तम् ।

Proofread by PSA Easwaran

——
Shri Sarasvati Ashtakam
pdf was typeset on July 8, 2023

——
Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

